collected and will be placed on the Table of the House.

अन्तर्राष्ट्रीय मोनिटरी कम्पेन्सेटरी सिस्टम

९. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार कम उन्नत देशों के व्यापार को रक्षा तथा सुविधायें प्रदान करने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय मोनिटरी कम्पेन्सेटरी सिस्टम लागू करने का विचार रखती है, और यदि हां, तो इस सम्बंध में क्या कार्यवाही की जा रही है ।

†[INTERNATIONAL MONETARY COMPENSATORY SYSTEM

9. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state whether Government propose to introduce the International Monetary Compensatory System to afford protection and facilities to the trade of under-developed countries, and if so, what steps are being taken in this regard?]

वित्त मंत्री (श्री टी० टी० कृष्णमाचारी) : क्षतिपूरक वित्त-व्यवस्था (कम्पेन्सेटरी फाइनेंसिंग) का विषय संयुक्तराष्ट्रसंघीय व्यापार और विकास सम्मेलन की कार्यसूची में शामिल है जिसका अधिवेशन इस समय जिनेवा में हो रहा है। इसलिए भारत सरकार द्वारा इस समय कोई कार्रवाई किये जाने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

†[THE MINISTER OF FINANCE (SHRI T. T. KRISHNAMACHARY): The subject of Compensatory Financing is on the agenda of the United Nations Conference on Trade and Development currently in sesson at Geneva. There is, therefore no question of the Government of India taking any action at this stage.]

पेनिसिलीन के इंजेक्शन के सम्बन्ध में अनुसन्धान

१०. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि क्या सरकार ने इस दृष्टि से कोई अनुसंधान कराया है या करने का विचार रखती है कि पेनिसिलीन के इंजेक्शन की प्रतिक्रिया की संभावना न रहे ?

†[RESEARCH REGARDING PENICILLIN INJECTION

10. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of HEALTH be pleased to state whether Government have conducted or propose to conduct research with a view to eliminate the possibility of reaction as a result of penicillin injection?]

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : देश की किसी भी सरकारी अनुसंधानशाला में पेनिसिलीन पर कोई अनुसंधान नहीं किया जा रहा है। जितने व्यक्तियों को पेनिसिलीन दिया जाता है उनकी तुलना में पेनिसिलीन की प्रतिक्रिया वाले व्यक्तियों की संख्या बहुत कम है । पेनिसिलीन प्रतिक्रिया पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की वेनेरिअल इन्फेक्शन्स और ट्रेपोनेमेटोसिस विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई पुनरीक्षा के अनुसार यह अनुमान लगाया गया है कि पेनिसिलीय से होने वाली घातक तीव्रग्राही प्रतिक्रिया की दर दस लाख इन्जेक्शन के पीछे एक से थोड़ी ही अधिक है। अधिकतर प्रतिक्रियायें मुख्यतः अधिहृष स्वभाव की हैं ।

जब अधिकांश व्यक्तियों पर पेनिसिलीन की प्रतिक्रिया नहीं होती तो कुछ व्यक्तियों पर यह क्यों हो जाती है, इसके कारण मालूम नहीं पड़ते । यह भी सम्भव है कि जो व्यक्ति पेनिसिलीन सहन करते आये हैं, उनमें संवेदनशीलता अकस्मात् ही विकसित हो जाती हो । इस पृष्ठभूमी के आधार पर पेनिसिलीन की

†[ ] English translation.

पार्श्व प्रतिक्रियाओं को दूर करने के लिये किसी अनुसंधान का किया जाना अत्यंत कठिन प्रतीत होता है ।

†[THE MINISTER OF HEALTH (DR. SUSHILA NAYAR): No research on penicillin is being carried out in any Government institutions in the country.

The number of cases of penicillin reaction are relatively few when compared to the large number of persons to whom penicillin is administered. According to the review by the Expert Committee on Venereal Infections and Treponematoses of World Health Organisation on pencillin reaction, "it has been estimated that the rate of fatal anaphylactic reactions following penicillin is slightly more than one per million injections". The great majority of reactions are mostly of an allergic nature.

The reasons why certain individuals are sensitive to penicillin, while the majority of people are not, are not known. It is also possible that persons who have been tolerating penicillin may suddenly develop sensitivity. The possibility of any research being carried out f eliminate the side reactions with penicillin appears very difficult againsgt this back ground.[

सीमा शुल्क विभाग द्वारा शुल्कों का बट्टेखाते में लिखा जाना

११. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सीमा शुल्क विभाग को गत पांच वर्षों में शुल्क की कितनी राशियां प्रतिवर्ष बट्टेखाते में लिखनी पड़ीं ; और

(ख) कितने मामलों में शुल्क की ५ लाख रुपये और उससे अधिक राशियां बट्टेखाते में लिखी गईं और उसके क्या कारण हैं ?

†[WRITING OFF OF DUTIES BY CUSTOMS DEPARTMENT

11. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the amount of the duties which had to be written off by the Customs Department in each of the last five years; and

(b) the number of cases where duties amounting to Rs. 5 lakhs and above were written off and the reasons therefor?]

वित्त मंत्री (श्री टी० टी० कृष्णमाचारी): (क) और (ख) इस सम्बंध में सूचना इक्टठी की जा रही है और उसे सभा की मेज पर रख दिया जायगा ।

†[THE MINISTER OF FINANCE (SHRI T. T. KRISHNAMACHARI): (a) and (b) Information in this regard is being collected and will be placed on the Table of the Sabha.]

EXPORT OF WOOLEN YARD

12. SHRI SITARAM JAIPURIA: Will the Minister of INTERNATIONAL TRADE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have set up a committee to go into the economics of export of woollen yarn;

(b) whether the Committee has submitted any report; and

(c) whether there is any proposal to remove the ban on the export of woollen yarn?

THE MINISTER OF INTERNATIONAL TRADE (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) and (b), Yes, Sir.

(c) The Report is under consideration of the Government.

†[ ] English translation.